जोखिम बड़ी दुर्घटना की आशंका, जमींदोज करने की मांग, ढहाए जा चुके हैं अभी तक करीब 30 से अधिक भवन

दहशतगर्दी की मिसाल बन रहे शहर के 7 जर्जर भवन

नवभारत,जबलपुर। शहर के विभिन्न इलाकों में मौजूद जर्जर भवन अब दहशतगर्दी की मिसाल बनते नजर आ रहे हैं। राहगीरों व स्थानीय लोगों को अब भय सताने लगा है कि कहीं ये किसी दिन किसी बड़े हादसे की वजह न बन जाएं। इसलिए अब मांग उठने लगी है कि नगर निगम के जिम्मेदारों द्वारा इन जर्जर मकानों को समय रहते जल्द से जल्द ढहा दिया जाए। वहीं नगर निगम के रिकॉर्ड की बात करें तो रिकॉर्ड में भी अलग अलग स्थानों के मिलाकर करीब 7 ऐसे बड़े भवन हैं जो बहुत ज्यादा जर्जर अवस्था में मौजूद हैं जबकि करीब 100 से अधिक चिन्हित जर्जर भवन ऐसे हैं जिनकी रिपेयरिंग की जा सकती है।

इन मामलों में संबंधितों को नोटिस भी जारी किए जा चुके हैं। लेकिन अमले को जमीनी तौर पर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार बहुत जर्जर अवस्था वालों में मौजूद वर्तमान में कमानिया गेट वाले बेल्ट में 4 मकान, दमोहनाका में 1 भवन, गोहलपुर की

गोहलपुर की पुरानी सिविल डिस्पेंसरी का भवन।

सराफा चौक के पास मौजूद भवन।

पुरानी सिविल डिस्पेंसरी का भवन, रैन बसेरा पिसनहारी मढ़िया शामिल हैं।

शैलेन्द्र कौरव, कार्यपालन यंत्री, नक्शा विभाग ननि ने नवभारत को बताया कि पिछले साल जबलपुर में करीब 30 से 40 जर्जर मकानों को ढहाया गया था, वर्ष 2022 में 50 से अधिक जर्जर मकानों को ध्वस्त किया गया था। वहीं इस बार नगर निगम प्रशासन के द्वारा नागरिकों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए अभी तक करीब 30 जर्जर मकानों को ढहाया गया है। लेकिन अभी भी शहर के अलग अलग इलाकों में करीब 100 से ज्यादा जर्जर मकान और बचे हुए हैं।

मकानमालिक-किराएदार का विवाद डाल रहा बाधा

जानकारी के अनुसार पहले नगर निगम प्रशासन के द्वारा दावा किया जा रहा था कि मानसून के दौरान इस बार जबलपुर के जिन जिन इलाकों में जर्जर मकान मौजूद हैं उन पर बुल्डोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया जाएगा। और नागरिकों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही रही.... नगर निगम के जिम्मेदारों का कहना है कि कुछ केसों में कोर्ट केस चल रहे हैं तो अधिकतर मामलों में मकानमालिक-किराएदार के विवाद के कारण जर्जर मकानों को ढहाया नहीं जा रहा है। क्योंकि जर्जर मकानों में किराएदार रह रहे हैं और वे आसानी ने भवन खाली नहीं कर रहे हैं।

ऐड़ी चोटी का लगा रहे जोर

जमीनी हकीकत की बात करें तो कमानिया, सराफा, कोतवाली, दीक्षितपुरा, दमोहनाका, गोहलपुर पुलिया के पास के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में मौजूद पुरानी सिविल डिस्पेंसरी के भवन मकान मालिक नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई का विरोध करने लगते हैं। खबर तो ये भी है कि उनका मकान न टूटे इसके लिए राजनैतिक एप्रोच लगाने से लेकर वे ऐड़ी चोटी का जोर लगा देते हैं। नतीजा रहता है कि अभी भी इन इलाकों में जर्जर मकान तने हुए लोगों को नजर आ रहे हैं।

डरा रहा जर्जर रैन बसेरा....

उधर वीरेंद्रपुरी वार्ड अंतर्गत पिसनहारी की मढ़िया के सामने स्थित अत्यंत जर्जर रैन बसेरा सभी को डरा रहा है। जबकि कुछ दिनों पहले नगर निगम के उच्च अधिकारियों द्वारा रैन बसेरा के भवन का बारीकी से आंकलन किया गया था और संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए थे कि इस रैन बसेरा को ढहाया जाए। बावजूद ये अभी भी ज्यों की त्यों खड़ा हुआ है न तो इसे हटाया गया है और न ही इसमें सुधार कार्य किया गया है।

गढ़ा में गिरा था मकान की छज्जा

हाल ही में कुछ दिनों पहले नौआनारा गढ़ा में चुन्नी पटैल का कच्चा जर्जर मकान की छज्जा भरभराकर नीचे गिर गई थी, इस दौरान घर में काम कर रही एक महिला को भी चोटें आईं थीं और उसने भागकर अपनी जान बचाई थी। परिवार गरीब था, उसने मदद के लिए स्थानीय पार्षद प्रिया संजय तिवारी से गुहार लगाई लेकिन उसकी किसी प्रकार की कोई मदद अभी तक नहीं की गई। बस इधर से उधर भटकाया जाता रहा।

इनका कहना है

बहुत जर्जर अवस्था में करीब 7 भवन वर्तमान में मौजूद हैं बाकी जो करीब 100 भवन हैं वो रिपेरयबल हैं। अधिकतर केसों में मकानमालिक, किराएदार के बीच विवाद के कारण अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को अंजाम नहीं दिया जा पा रहा है। अब राजस्व अमले की सहायता लेकर बेदखली की कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी चल रही है।

शैलेन्द्र कौरव
कार्य. यंत्री, नक्शा विभाग ननि

रेलवे ने जांचे 1632 पेयजल नमूने

जबलपुर। यात्रियों और रेलकर्मियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पश्चिम मध्य रेल ने पानी की जांच और निगरानी व्यवस्था को सख्त किया है। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर चिकित्सा विभाग द्वारा पिछले सप्ताह 1632 पेयजल नमूनों की जांच की गई। इनमें 1503 नमूनों की अवशिष्ट क्लोरीन, 126 की बैक्टीरियोलॉजिकल और 3 नमूनों की रासायनिक जांच की गई। जल स्रोतों, आपूर्ति व्यवस्था और भंडारण टंकियों से लिए गए नमूनों को निर्धारित मानकों पर परखा जा रहा है। पानी की गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबंधित व्यवस्था में तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के साथ दोबारा जांच और निगरानी की जा रही है। स्टेशनों पर जल पाइपिंग में लीकेज, टंकियों और वाटर कूलरों की सफाई, ओवरफ्लो व्यवस्था, नलों की स्थिति और पानी के भंडारण की भी नियमित जांच की जा रही है। जरूरत वाले स्थानों पर खराब नल बदले जा रहे हैं और नए नल लगाए जा रहे हैं। विशेष अभियानों के दौरान चिन्हित स्टेशनों पर भौतिक, रासायनिक और बैक्टीरियोलॉजिकल परीक्षण भी किए जा रहे हैं।

स्टेशन से ट्रेन तक पानी की निगरानी

पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों के साथ दोनों कारखानों में पेयजल व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। संबंधित इंस्पेक्टर ऑफ वर्क्स कार्यालयों में समय-समय पर जल परीक्षण के लिए टेस्टिंग किट उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। रेलवे का फोकस जल स्रोत से लेकर टंकी, पाइपलाइन और यात्रियों तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता बनाए रखने पर है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

ओडिशा से जबलपुर लाया गया गांजा, 2 तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है, जो ओडिशा से ट्रेन और बस के जरिए गांजे की बड़ी खेप जबलपुर लेकर पहुंचे थे। आरोपियों के पास से 3 किलो 978 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1,98,900 बताई जा रही है।

तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि लम्हेटा बाईपास के आगे, अमर टायर वाले के टपरे के सामने घेराबंदी कर क्रेशर बस्ती, तिलवारा निवासी हिंमाशु कश्यप पिता सतवीर कश्यप, 21 वर्ष और दिनेश गौंड़ ठाकुर पिता सुरेश ठाकुर, 28 वर्ष को पकड़ा गया?। जब संदेही दिनेश के पास मौजूद नीले बैग की तलाशी ली गई, तो पुलिस के होश उड़ गए। बैग के अंदर गांजे का एक बड़ा पैकेट था, जिसके भीतर दो छोटे पैकेट और छिपाकर रखे गए थे। पूछताछ में दिनेश ने बताया कि एक पैकेट उसका है और दूसरा हिमांशु का है।

तितलागढ़ से नागपुर फिर जबलपुर पहुंची खेप

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे क्रेशर बस्ती के ही रहने वाले प्रेम बर्मन के कहने पर ओडिशा के तितलागढ़ गए थे। प्रेम बर्मन ने ही अपने मोबाइल से तितलागढ़ स्टेशन पर मौजूद शंभू नाम के सप्लायर से उनकी बात कराई। शंभू ने उन्हें गांजे की डिलीवरी दी, जबकि गांजे का पूरा पैसा प्रेम बर्मन ने ऑनलाइन ट्रांसफर किया था। माल मिलने के बाद दोनों आरोपी तितलागढ़ से ट्रेन द्वारा नागपुर पहुंचे और फिर वहां से बस में बैठकर जबलपुर आए थे। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा मोबाइल भी जब्त किया है। प्रेम बर्मन और ओडिशा के सप्लायर शंभू की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

1.35 करोड़ का गेहूं घोटाला : आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जबलपुर। अन्नपूर्णा वेयरहाउस में हुआ 1.35 करोड़ का गेहं घोटाला मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित को मझौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जिसे सोमवार को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

टीआई पूर्वा चौरसिया ने बताया कि माँ अन्नपूर्णा वेयर हाउस 102, पिपरिया केंद्र कोड पर गेहूं उपार्जन के दौरान 5168.70 क्विंटल गेहूं कीमत लगभग 1,35,67,837.50 रुपये की हेरा-फेरी और धोखाधड़ी की गई थी। कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी के

प्रतिवेदन पर एफआईआर दर्ज की गई थी। प्रकरण में आरोपी अमन पांडे काफी लंबे समय से फरार चल रहा था जिसकी लगातार हर संभावित स्थानों पर तलाश की जा रही थी। प्रकरण में फरार आरोपी की गिरफ्तारी पर दस हजार रूपये का नगद ईनाम घोषित था। मुखबिर से सूचना मिली कि धोखाधड़ी के प्रकरण में फरार आरोपी अमन पांडे क्षेत्र में देखा गया है जो कहीं भागने की फिराक में है।

सूचना पर तत्काल योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी करते हुये फरार ईनामी आरोपी अमन पाण्डेय पिता गुलाब पाण्डेय 32 वर्ष निवासी प्रज्ञा विहार कालोनी वार्ड न. खितौला को दबोचा गया। जिसे गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल निरूद्ध कराया गया है।

एक नजर में

ट्रेनों से बैटरी चोरी करते दो चोर दबोचे

जबलपुर। अधारताल स्टेशन पर खड़ी स्टेबल ट्रेनों को निशाना बनाकर बैटरियां चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को आरपीएफ ने रंगेहाथ पकड़ लिया, जबकि उनकी निशानदेही पर चोरी का माल खरीदने वाले एक कबाड़ी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 32,500 रुपए कीमत की रेल संपत्ति बरामद हुई है। आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के प्रभारी निरीक्षक राजीव खरब के नेतृत्व में एसआई आर.के. चन्देल, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र तिवारी, केदार और आरक्षक हरिकेश की टीम अधारताल क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान संदिग्धों को स्टेबल कोचों के नीचे घुसकर बैटरियां निकालते देखा गया। टीम ने घेराबंदी कर राशिद अली और मो. बसीम को मौके पर ही दबोच लिया। पूछताछ के बाद चोरी का माल खरीदने वाले साजिद अंसारी को भी पकड़ लिया गया। आरपीएफ के मुताबिक आरोपी स्टेशन के आउटर और यार्ड में खड़ी ट्रेनों से संवेदनशील बैटरियां निकालते थे, जिससे रेल संपत्ति को नुकसान के साथ परिचालन सुरक्षा पर भी असर पड़ने की आशंका थी। मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ आरपीएफ पोस्ट जबलपुर में रेल संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है। आरपीएफ ने बताया कि रेल संपत्ति की चोरी रोकने के लिए स्टेशनों, यार्ड और ट्रेनों के आसपास निगरानी बढ़ाई गई है।

चायनीज दुकान संचालक पर हमला

जबलपुर। बेलबाग थाने में अजय गुप्ता प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास बेलबाग ने रिपोर्ट दर्ज कराई वह चायनीज की दुकान चलाता है। शाम लगभग 7-45 बजे अतुल उर्फतुल्ला वंशकार उसकी दुकान पर आया उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगा, उसने पैसे देने से मना किया तो अतुल ने हाथ मुक्कों से मारपीट करते हुये धारदार हथियार से हमला कर चोट पहुंचा दी। जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चला नगर निगम का हंटर

पाण्डेय हॉस्पिटल से घमापुर चौक तक चलाया गया अभियान

नवभारत, जबलपुर। नगर निगम के अमले ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सोमवार को सख्त अभियान चलाया गया। अमले द्वारा पाण्डेय हॉस्पिटल से घमापुर चौक तक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान अनधिकृत शेड अलग किए गए और 10 टपरे, ठेले जब्त किए गए। इसी क्रम में

दीनदयाल चौक, आई टी आई चौक एवं समदड़िया मॉल के पास सड़क एवं सार्वजनिक स्थान पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण को भी अलग किया गया। कार्यवाही के दौरान मौके पर मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल, अतिक्रमण प्रभारी कृष्ण पाल रावत, सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, दल प्रभारी लक्ष्मण कोरी एवं कुलदीप त्रिपाठी, दुर्गा राव, नदीम अहमद खान, आरिफ खान, अंकित पारस उपस्थित रहे। इस दौरान निगम के अमले ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों, फुटपाथ एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमणमुक्त रखने हेतु अस्थाई अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

चलती ट्रेन से गिरा यात्री, की-मैन की सतर्कता से बची जान

जबलपुर। पकरिया स्टेशन के आउटर के पास सोमवार सुबह चलती ट्रेन से गिरकर एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। यात्री ट्रेन के गेट के पास बैठा था और झपकी आने से अचानक संतुलन बिगड़ने पर ट्रैक किनारे जा गिरा। सिर समेत शरीर पर गंभीर चोटें आने से वह खून से लथपथ पड़ा था। इसी दौरान ट्रैक की निगरानी कर रहे की-मैन की नजर उस पर पड़ गई। उसने तत्काल लाल झंडी दिखाकर पीछे से आ रही 22190 रीवा-जबलपुर इंटरसिटी के लोको पायलट और गार्ड को अलर्ट किया, जिसके बाद ट्रेन को आपातकालीन ब्रेक लगाकर रोका गया। गार्ड ने घायल को गार्ड ब्रेक में पहुंचाया और कटनी स्टेशन की ओर ट्रेन रवाना की गई। कटनी जंक्शन पहुंचने से पहले स्टेशन प्रबंधक और रेलवे कंट्रोल को सूचना दे दी गई थी, जिससे ट्रेन के पहुंचते ही मेडिकल टीम और एम्बुलेंस तैयार मिली। डॉक्टरों ने गार्ड ब्रेक में ही घायल का प्राथमिक उपचार किया और हालत गंभीर होने पर उसे कटनी जिला अस्पताल भेज दिया। कटनी जीआरपी थाना प्रभारी अनिल मरावी के अनुसार घायल फिलहाल बोलने की स्थिति में नहीं है, इसलिए उसकी पहचान और यह पता नहीं चल सका है कि वह किस ट्रेन से गिरा तथा कहां जा रहा था।

रादुविवि में खींचतान : कर्मचारियों ने कहा- नहीं की अनुशासनहीनता

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में पिछले कुछ दिनों से प्रशासनिक खींचतान चल रही है। हाल ही में कुलसचिव कार्यालय की ओर से कर्मचारियों को नोटिस दिए जाने के बाद कर्मचारियों का कहना है कि कुलगुरु कार्यालय के कर्मचारियों ने किसी प्रकार की अभद्रता या अनुशासनहीनता नहीं की है। कर्मचारियों का उद्देश्य केवल इतना था कि विश्वविद्यालय से जुड़े जरूरी समझौतों और अटकी हुई फाइलों पर समय रहते हस्ताक्षर हो सकें, ताकि संस्थान का काम प्रभावित न हो।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल पिछले 20 दिनों में से 16 दिन विश्वविद्यालय से अनुपस्थित रहे हैं। लगातार गैरमौजूदगी के कारण कई प्रशासनिक कार्य अटक रहे थे।

कर्मचारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय का कामकाज सुचारू रूप से चलाने और छात्र हितों की रक्षा के लिए सभी निर्णय नियमों के दायरे में रहकर लिए जा रहे हैं। इसके बावजूद व्यवस्था को बिगड़ने नहीं दिया गया और कुलगुरु प्रो. राजेश वर्मा के मार्गदर्शन में दैनिक कामकाज को संभाला जा रहा है।

सदन की बैठक के लिए निगमाध्यक्ष को सौंपा पत्र

जबलपुर। नगर निगम की सदन बैठक नहीं बुलाए जाने को लेकर कांग्रेस पार्षद दल ने निगमाध्यक्ष को पत्र सौंपा है। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी, गुड्डु नबी एवं सचेतक अयोध्या तिवारी ने शहर की बदहाल सड़कों, जलप्लावन, गंदगी से बजबजाती नालियों, ठप डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सफाई व्यवस्था और वाहन खरीदी सहित विभिन्न मुद्दों पर सदन में चर्चा की मांग की। पार्षदों का आरोप है कि करीब एक वर्ष पहले बनीं कई सीसी और डामरीकृत सड़कें बारिश में जर्जर हो गई हैं। वहीं पार्षद मद की राशि से जुड़े विकास कार्यों की स्वीकृति नहीं मिलने से वार्डों में काम प्रभावित हो रहे हैं और पार्षदों को जनता के सवालों का जवाब देना मुश्किल हो रहा है। कांग्रेस पार्षद दल ने आरोप लगाया कि महापौर सदन में चर्चा से बचने के लिए बैठक आहूत नहीं होने दे रहे हैं। पत्र के माध्यम से अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने के लिए जल्द बैठक बुलाने की मांग की गई है। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि दो दिन में सदन की बैठक की सूचना जारी नहीं हुई तो निगम परिसर और सड़क पर समानांतर सदन लगाकर जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

गंदगी नगर की सफाई व्यवस्था के दावों को दिखा रहा आईना

सिग्नल के नीचे कचरे का ढेर, रसल चौक की बिगाड़ रहा सूरत

नवभारत, जबलपुर। शहर के प्रमुख और सबसे व्यस्त तिराहों में शामिल रसल चौक पर ट्रैफिक सिग्नल के ठीक नीचे जमा कचरा नगर की सफाई व्यवस्था के दावों को आईना दिखा रहा है। जबलपुर हॉस्पिटल के पास स्थित इस तिराहे से दिनभर बड़ी संख्या में वाहन और राहगीर गुजरते हैं। सिग्नल पर रुकने वाले वाहन चालकों और राहगीरों की नजर बरबस ही सड़क किनारे जमा कचरे पर पड़ती है। एक ओर कचरे का ढेर बदबू फैला रहा है, तो दूसरी ओर प्रमुख चौराहे की सूरत बिगाड़ रहा है। शाम के समय यहां यातायात का दबाव बढ़ने के साथ गंदगी और भी ज्यादा नजर आती है। शहर में स्वच्छता को लेकर लगातार अभियान चलाए जाने के बावजूद प्रमुख और व्यस्त

चौराहे पर इस तरह कचरा जमा होना व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े करता है। सिग्नल के ठीक नीचे कचरा पड़ा होने से यह भी स्पष्ट है कि नियमित सफाई के साथ मौके पर निगरानी की जरूरत है। आसपास के दुकानदारों और राहगीरों को बदबू के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है। नागरिकों का कहना है कि प्रमुख चौराहों की नियमित सफाई के साथ कचरा दोबारा न जमा हो, इसकी भी व्यवस्था होनी चाहिए। नगर निगम यदि ऐसे स्थानों पर नियमित निरीक्षण और तत्काल सफाई सुनिश्चित करे तो शहर के प्रमुख प्रवेश एवं यातायात स्थलों की तस्वीर बेहतर हो सकती है।

एआई आधारित तकनीकी ज्ञान समय की जरूरत : प्रो. वर्मा

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में सोमवार से तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) शुरू हुआ। शुभारंभ अवसर पर कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि एआई आधारित उच्च तकनीकी ज्ञान आज के समय की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के बीच शिक्षकों का नई तकनीकों और डिजिटल संसाधनों से अपडेट रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि तकनीकी दक्षता शिक्षकों की अकादमिक क्षमता और प्रभावी शिक्षण को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विश्वविद्यालय के प्रो. राकेश बाजपेयी ने कहा कि कक्षा शिक्षण से लेकर शोध और अकादमिक कार्यों तक तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसी जरूरत को देखते हुए एडूनेट फाउंडेशन के सहयोग से यह अभिनव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सीएसआर के तहत आयोजित एफडीपी के पहले दिन एडूनेट फाउंडेशन

की एसोसिएट डायरेक्टर (जीआरपी) रितु भटनागर और मास्टर ट्रेनर रोहितदास सेलार ने शिक्षकों को एआई आधारित तकनीकों, डिजिटल स्किल और आईबीएम मॉड्यूल से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी।

बढ़ी है उपयोगिता

शिक्षण से शोध तक एआई का इस्तेमाल दो पालियों में हुए प्रशिक्षण में आधुनिक डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग, एआई की कार्यप्रणाली और डिजिटल कौशल से जुड़े विषयों को उदाहरणों के साथ समझाया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि एआई का उपयोग अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षण, शोध, कंटेंट तैयार करने, डेटा विश्लेषण और अन्य अकादमिक गतिविधियों में भी इसकी उपयोगिता बढ़ रही है। एफडीपी में शिक्षकों को बदलती तकनीकी जरूरतों के अनुरूप तैयार करने और उनकी डिजिटल दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।